चार विषयों पर हुई पैनल परिचर्चा

प्रधानमंत्री के वर्चुअल संबोधन के बाद पूर्व निर्धारित कार्यक्रम अनुसार चार विभिन्न विषयों पर पैनल परिचर्चा का आयोजन हुआ, जिसमें विभिन्न कुलपतियों ने विचार रखे। प्रथम सत्र में 'संपन्न एवं टिकाऊ अर्थव्यवस्था' विषय पर पैट्रोलियम विवविद्यालय के कुलपति डॉ. राम शर्मा, इक्फाई विवि के कुलपति डॉ. रामकरण सिंह, जीबी पंत विवि के कुलसचिव एवं डीन डॉ. के रावेरकर व कुमाऊं विवि के राजनीतिक विज्ञान की प्रो. नीतू बोरा शर्मा ने प्रतिभाग किया। प्रतिभागियों ने परिचर्चा के दौरान सशक्त जीडीपी, जीडीपी के साथ जीईपी व कृषि क्षेत्र का अर्थव्यवस्था में योगदान, महिला सशक्तिकरण से आर्थिक सशक्तिकरण का वर्णन किया। सत्र का संचालन आईएमएस यूनिसन के कुलपति डॉ. रवि के श्रीवास्तव ने किया। द्वितीय सत्र में 'नवाचार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी' विषय पर यूपीटीयू के कुलपति डॉ. ओंकार सिंह, आईआईटी रुड़की के डीन प्रो. अक्षय द्विवेदी, ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. संजय जसोला, एसआईटी श्रीनगर के डीनडॉ. हरिहरन मुत्थू स्वामी ने प्रतिभाग किया। प्रतिभागियों ने परिचर्चा के दौरान डिजिटल इंडिया, कौशल विकास, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, विश्वविद्यालयों के मध्य टेक्नोलॉजी एवं स्टूडेंट ट्रांसफर आदि पर प्रकाश डाला। सत्र का संचालन डॉ. राम शर्मा ने किया।

तृतीय सत्र में 'दुनिया में भारत' विषय पर दून विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुरेखा डंगवाल, आयुर्वेदिक विवविद्यालय के कुलपति प्रो. एके त्रिपाठी, एचएनबी गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति प्रो. रमेश चन्द्र भट्ट व उत्तरांचल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. धर्मबुद्धि ने प्रतिभाग किया। प्रतिभागियों ने परिचर्चा के दौरान मातृ शक्ति एवं युवा शक्ति का समन्वय, भारत की अविरल संस्कृति, वैश्विक स्तर पर भारत की स्वीकार्यता व भारत के जीवंत लोकतंत्र पर प्रकाश डाला। सत्र का संचालन आईआईएम काशीपुर के प्रो. अभ्रदीप मैती ने किया। चतुर्थ सत्र में 'विकसित भारत 2047 में युवाओं की भूमिका एवं योगदान' विषय पर पैट्रोलियम विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. सुनील राय, स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. विजय धस्माना व डीआईटी विवविद्यालय के कुलपति प्रो. जी रघुराम ने प्रतिभाग किया।